आयोजन की तैयारियों की कमान मुख्यमंत्री ने खुद संभाली

इंवेस्टर्स समिट के लिए 10 मंत्रियों का समूह बनेगा

■ अजित खरे

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों का अब तक सबसे बड़ा सम्मेलन कराने की जिम्मेदारी खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभाल ली है। अगले साल जनवरी में लखनऊ में होने वाले इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों के लिए उनकी अध्यक्षता में 10 मंत्रियों का समूह बनाया जा रहा है। इस विराट आयोजन से जुड़े सारे बड़े कामों में यही समूह मार्गदर्शन करेगा। इस आयोजन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों के अलावा दुनिया भर के दिग्गज कंपनियों के सीईओ व उद्योगपतियों को आमंत्रित किया जाएगा।

इस मार्ग दर्शन समिति में दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक के अलावा कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, जयवीर सिंह, अरविंद शर्मा, सूर्य प्रताप शाही शामिल किए गए हैं। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, एसीएस मनोज कुमार सिंह व औद्योगिक विकास आयुक्त अरविंद कुमार भी होंगे। इनका काम समिट की तैयारी के लिए रणनीतिक निर्णय लेना, समिट व रोड शो की तारीख व स्थान को मंजूरी देना आदि है। विदेशों में व दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद व बंगलुरू में रोड शो के लिए निवेश के विभिन्न महत्वपूर्ण सेक्टर से जुड़े 10 मंत्रियों को भी भेजा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने पिछले कार्यकाल में इसे कराने की मुहिम शुरू की थी लेकिन कोविड के चलते इसे टालना पड़ा। अब योगी सरकार के लिए यह मेगा इवेंट प्रतिष्ठा का सवाल बना है। सरकार की योजना कम से कम 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश लाने की है। समिट से पहले एम्बेसडर्स राउंड टेबल कांफ्रेंस भी होगी। समिट पर होने वाले खर्च के लिए ऑडिटर नियुक्ति भी होगी। अगले महीने हो रहे विधानसभा सत्र में आने वाले अनुपूरक बजट के जरिए इसके खर्च का बंदोबस्त किया जाएगा।

आठ अन्य कमेटियां बनेंगी

समिट को कराने के लिए 8 अन्य कमेटियां बन रही हैं। इनमें सबसे बड़ी कमेटी मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में कार्यकारी समिति है। इसमें लखनऊ के डीएम व कमिश्नर के अलावा 32 अन्य वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं। इसका काम पार्टनर देशों के दूतावास से समन्वय करना आदि है। प्रचार प्रसार व मुद्रण समिति, निवेश प्रोत्साहन समिति, बजट वित्त एवं प्रोक्योरमेंट समिति, वीआईपी प्रबंधन समिति, बिड मूल्यांकन समिति, उच्चस्तरीय समिति, वित्तीय मूल्यांकन समिति भी बन रही हैं।

अब तक के आयोजन

- यूपी इन्वेस्टर्स समिट (21-22 फरवरी 2018), 4.28 लाख करोड़ के 1045 एमओयू मंजूर
- पहली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (29 जुलाई 2018), 61792 करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया
- दूसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (28 जुलाई 2019), 67202 करोड़ रुपये की 290 परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ
- तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (3 जून 2022), 80 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की 1400 परियोजनाओं की आधारशिला रखी